मेसर्स.गणेश सातारकर प्रकाशित

सिंगापुर का संविधान

ISBN: 978-81-685073-0-2

Author: - MR.GANESH SHRIRANG SATARKAR
LL.M
Advocate, Bombay High Court

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book
Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

1. **BOOK TITLE : सिंगापुर का संविधान**
2. **LANGUAGE:** HINDHI
3. **ISBN: 978-81-685073-0-2**
4. **EDITION:** FIRST EDITION
5. **AUTHOR: Mr. GANESH SHRIRANG SATARKAR**
6. **PUBLISHER/ PUBLISHING AGENCY** :-
7. **M/s. INDIAN FARMER AGRO CO.–** SHIVNERI, GAT NO 153, FARANDWADI, MANE MALA TAL PHALTAN, DIST - SATARA. MAHARSHTA, PIN 415523 INDIA
8. **CONTACT DETAILS:**
   MOBILE: +91 7066766607 **EMAIL:** GANESHNALE0@GMAIL.COM
9. **YEAR OF PUBLICATION:** 2026
10. **FORMAT:** SINGLE-COMPONENT RETAIL PRODUCT (BOOK)
11. **PRICE (IN INDIA):** ₹ 10 /- (**Printed and Published in India)**

COPYRIGHT & PUBLICATION STATEMENT

© 2026 **Mr. Ganesh Shrirang Satarkar (Nale)**
All rights reserved.
Disclaimer:
This publication is protected under applicable copyright laws. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, digitized, scanned, transmitted, copied, shared, sold, or circulated in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, audio-visual, digital, or online—without the prior written permission of the author and the publisher, except for brief quotations permitted strictly for academic, educational, research, or review purposes This book has been authored with the sole objective of presenting research-based, educational, and informative content in a clear, responsible, and accessible manner for students, scholars, and general readers. There is no intention whatsoever to offend, defame, misrepresent, or harm the sentiments, beliefs, dignity, or rights of any individual, community, group, culture, religion, or institution. All references are included purely for scholarly discussion. Every effort has been made to ensure accuracy; however, inadvertent errors may occur. Readers are requested to inform the publisher for correction in future editions. Unauthorized reproduction or piracy is punishable under law.

BIOGRAPHY : ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

Adv. Ganesh Shrirang Satarkar is an emerging legal scholar, researcher, and academic contributor working at the intersection of law, criminology, sociology, and digital governance. He is currently associated with the Central University of Haryana, where he is pursuing postgraduate research in sociology alongside his interdisciplinary work in legal studies.

He holds an LL.M. in Criminal Law, LL.B. (Special), and has qualified the UGC-NET in both Law and Criminology. His academic research focuses on criminal justice systems, cybercrime, artificial intelligence in law, media and crime, governance studies, and socio-legal research.

Adv.Ganesh has contributed to national and international academic platforms through research publications, conference papers, and interdisciplinary collaborations. His work explores emerging legal challenges in areas such as digital justice, cyber security, social justice, gender studies, and technological transformations in legal systems.

He is actively connected with several international academic and research platforms including ORCID, Web of Science, SSRN, Vidwan (INFLIBNET), Google Scholar, OSF, and Harvard Dataverse.

Author Bio Researcher Profiles :

1. ResearchIDs : rid131046
2. Orcid Id : https://orcid.org/my-orcid?orcid=0000-0001-8474-7432
3. ISNI : https://isni.org/isni/0000000529498911
4. Web of Science ResearcherIDOYE-6264-2025
5. Social science research network SSRN Author ID: 9293272
6. Vidwan Profile URL: https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/666713
7. Google Scholar : https://scholar.google.com/citations?hl=en&user=4MrvCEwAAAAJ
8. OSF ID : https://osf.io/cndj8/
9. harvard.edu : https://dataverse.harvard.edu/dataverse/GANESHSHRIRANGSATARKAR).
10 https://about.me/adv.ganeshsatarkar

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

CERTIFICATE

OF WORLD RECORD

Proudly Presented To

Ganesh Shrirang Satarkar

In recognition of the outstanding achievement of becoming the First Indian to Translate and Publish the Constitutions of All 54 African Countries into Hindi as Separate ISBN-Registered Books, demonstrating exceptional dedication, scholarly excellence, and a significant contribution to legal literature and linguistic accessibility, thereby establishing a distinguished and historic record of academic accomplishment.

We officially announce the above-mentioned candidate as a globally certified **"Inspiration World Record Holder"**.

The certificate was issued on 27th February, 2026.

INSPIRATION IS WHERE PASSION BECOMES LEGACY

CERTIFIED

Application No. IWR/2026/UR0173
Certificate No. IWR/2026/WRH0081
Issued By: Chief Adjudicator

ISO CERTIFIED

VISHWAGURU ARPANAM 2026

VIA2025/SS-VA2025AZ760-2025-170/09102025

2 025100 900010

ISO 9001:2015 Registration No: QT-56622/0925
Micro, Small, and Medium Enterprises Registration Number: 11-0093948
Trademark Registered Under the Act of "TRADE MARKS ACT, 1999"

© www.inspirationworldrecords.org

सिंगापुर का संविधान

1. देश का नाम

- सिंगापुर

2. संविधान का नाम

- सिंगापुर का संविधान (1963, संशोधित 2016 तक)

---

3. संविधान के भाग (Parts)

सिंगापुर का संविधान 14 भागों में विभाजित है:

1. भाग I – प्रारंभिक प्रावधान
2. भाग II – गणराज्य और संविधान
3. भाग III – संप्रभुता की सुरक्षा
4. भाग IV – मौलिक अधिकार
5. भाग V – सरकार
6. भाग VA – राष्ट्रपति सलाहकार परिषद
7. भाग VI – विधायिका
8. भाग VII – अल्पसंख्यक अधिकार परिषद
9. भाग VIII – न्यायपालिका
10. भाग IX – लोक सेवा
11. भाग X – नागरिकता
12. भाग XI – वित्तीय प्रावधान
13. भाग XII – आपातकालीन शक्तियाँ
14. भाग XIII – सामान्य प्रावधान
15. भाग XIV – संक्रमणकालीन प्रावधान

---

4. अनुच्छेद (Articles)

- कुल अनुच्छेद: लगभग 1 से 165 तक
- उदाहरण:
    - अनुच्छेद 3 – सिंगापुर गणराज्य
    - अनुच्छेद 4 – संविधान की सर्वोच्चता
    - अनुच्छेद 9–16 – मौलिक अधिकार

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Singapore

- अनुच्छेद 38–67 – संसद
- अनुच्छेद 93–101 – न्यायपालिका
- अनुच्छेद 120–141 – नागरिकता

---

5. भागों का संक्षिप्त विवरण

भाग I – प्रारंभिक

परिभाषाएँ और संविधान की मूल बातें।

भाग II – गणराज्य

सिंगापुर को स्वतंत्र गणराज्य घोषित करता है।

भाग III – संप्रभुता

देश की स्वतंत्रता की रक्षा करता है।

भाग IV – मौलिक अधिकार

नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता और धर्म की आज़ादी देता है।

भाग V – सरकार

राष्ट्रपति और कार्यपालिका की व्यवस्था।

भाग VI – विधायिका

संसद की संरचना और कानून बनाने की शक्ति।

भाग VIII – न्यायपालिका

न्यायालयों की संरचना और न्यायिक शक्तियाँ।

भाग X – नागरिकता

नागरिक बनने और नागरिकता समाप्त होने के नियम।

भाग XI – वित्त

सरकारी धन और कर व्यवस्था।

भाग XII – आपातकाल

आपातकालीन स्थितियों में सरकार की शक्ति।

---

6. विस्तृत विवरण

सिंगापुर का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है, जो राज्य की राजनीतिक और प्रशासनिक संरचना को निर्धारित करता है। इसे 1963 में लागू किया गया और समय-समय पर इसमें संशोधन किए गए। यह संविधान एक लिखित दस्तावेज है, जो सरकार के विभिन्न अंगों—कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका—के बीच शक्तियों का संतुलन बनाए रखता है।

संविधान के अनुसार सिंगापुर एक संप्रभु गणराज्य है। इसका अर्थ है कि देश किसी बाहरी शक्ति के अधीन नहीं है और अपने सभी निर्णय स्वतंत्र रूप से लेता है। संविधान की सर्वोच्चता का सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी कानून संविधान के विरुद्ध नहीं हो सकता।

मौलिक अधिकार संविधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसमें नागरिकों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। हालांकि, इन अधिकारों पर कुछ सीमाएँ भी हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

सिंगापुर की शासन प्रणाली संसदीय लोकतंत्र पर आधारित है। राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख होता है, जबकि प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद सरकार चलाते हैं। संसद कानून बनाने का कार्य करती है और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करती है।

एक विशेष बात यह है कि सिंगापुर में राष्ट्रपति को कुछ विशेष अधिकार दिए गए हैं, खासकर वित्तीय मामलों और नियुक्तियों में। इसके लिए एक सलाहकार परिषद बनाई गई है, जो राष्ट्रपति को मार्गदर्शन देती है।

संविधान अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी प्रावधान करता है। इसके लिए एक विशेष परिषद बनाई गई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी कानून किसी समुदाय के साथ भेदभाव न करे।

न्यायपालिका स्वतंत्र है और संविधान की रक्षा करती है। सुप्रीम कोर्ट और अन्य न्यायालय कानून की व्याख्या करते हैं और नागरिकों को न्याय प्रदान करते हैं।

नागरिकता के नियम भी संविधान में दिए गए हैं, जिनमें जन्म, वंश और प्राकृतिककरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त करना शामिल है। साथ ही नागरिकता समाप्त करने के भी प्रावधान हैं।

वित्तीय प्रावधान यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकार पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करे। कर, बजट और सरकारी खर्च से संबंधित नियम स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं।

आपातकालीन प्रावधान सरकार को संकट के समय विशेष शक्तियाँ प्रदान करते हैं, लेकिन इनका उपयोग सीमित और नियंत्रित होता है।

अंत में, सिंगापुर का संविधान एक मजबूत, व्यावहारिक और संतुलित दस्तावेज है, जो देश के विकास, स्थिरता और कानून के शासन को सुनिश्चित करता है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Singapore

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book

THE END

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932